उत्तराखण्ड सरकार
मा.मुख्यमंत्री प्रेस सूचना ब्यूरो
(सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग)
सचिवालय परिसर, सुभाष रोड, देहरादून
E-mail : infodirector.uk@gmail.com
Website : www.uttarainformation.gov.in

देहरादून 07 जून, 2019 (सू.ब्यूरो) प्रेस नोट–03(06/22)

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में जनरल कमांडिग इन चीफ साउथ वेस्ट तथा कर्नल ऑफ द गढ़वाल राइफल एवं गढ़वाल स्काउट ले. जनरल चेरिश मैथसन ने शिष्टाचार भेंट की। उन्होंने गढ़वाल राइफल सेंन्टर लेंसडाउन में भैरवगढ़ी पेय जल योजना के निर्माण के लिए मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने कहा कि गढ़वाल राइफल द्वारा गढ़वाल की समृद्ध संस्कृति रीति रिवाजों को महत्व देते हुए इस दिशा में भी पहल की जा रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री का देहरादून में सेना से जुड़े कार्मिकों के बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा के लिए स्थापित हॉस्टल के लिए भी मुख्यमंत्री का आभार जताया। उन्होंने इस हॉस्टल में सेना से सभी अंगों के सैन्य कर्मियों के बच्चों को आवासीय व शिक्षण की सुविधा दिये जाने की बात कही। मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र ने कहा कि उनका प्रयास है कि सेना से जुड़े लोगों के अधिक से अधिक बच्चे इस हॉस्टल का लाभ प्राप्त करें। इसके लिए प्रभावी पहल भी किये जाने पर उन्होंने बल दिया।

मुख्यमंत्री ने उत्तराखण्ड में सैन्य कर्मियों के बेहतर स्वास्थ्य सुविधा हेतु ईसीएचएस सेन्टरों की स्थापना के लिए भूमि की व्यवस्था का भी आश्वासन दिया। उन्होंने हमारा सामाजिक दायित्व के तहत सैन्य परम्पराओं को बढ़ावा देने के लिये म्यूजियम निर्माण की भी बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा उत्तराखण्ड में प्रधानमंत्री की अपेक्षाओं के अनुरूप सैन्य धाम स्थापित करने के लिए प्रदेश में उपयुक्त भूमि की व्यवस्था की जायेगी ताकि हमारी महान सैन्य परम्पराओं से देश की भावी पीढ़ी का जुड़ाव बना रहे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 07 जून, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–02(06/21)**

मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास में गेल इंडिया लि. के अधिकारियों ने भेंट की। उन्होंने हरिद्वार, देहरादून व ऋषिकेश के लिए नेचुरल गैस पाइप लाईन व सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन प्रोजक्ट की जानकारी मुख्यमंत्री को दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नेचुरल गैस पाइप लाईन के विस्तार में यह ध्यान रखा जाए कि इससे देहरादून, हरिद्वार व ऋषिकेश के शहर व उसके आस पास के गांव भी पूर्ण रूप से कवर हो जाए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों को रोजगार सृजन हो सकता इसका भी पूरा आकलन किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना की प्रत्येक तीन माह में समीक्षा की जायेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गैस पाइप लाईन से लोगों को काफी सुविधा होगी जबकि सी.एन.जी. स्टेशनों की स्थापना से सी.एन.जी. वाहनों की संख्या भी बढ़ेगी तथा इससे वाहनों से होने वाले प्रदूषण से भी दूनवासियों का छुटकारा मिल सकेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि देहरादून में वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। राज्य के मैदानी क्षेत्रों में आबादी का दबाव निरन्तर बढ़ रहा है। उसी क्रम में आगे भी वाहनों एवं आबादी का दबाव बना रहेगा, इसका बेहतर रास्ता सीएनजी ही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हरिद्वार, ऊधम सिंह नगर तथा देहरादून के बाद नैनीताल के साथ ही अन्य स्थानों में भी गैस पाइप लाइन का कार्य आरम्भ किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को गैस ईंधन के रूप में इस्तेमाल करने पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि गैस ईंधन कम खर्चीला तथा इको फ्रेन्डली है। इससे दूनवासियों के जीवन में निश्चित रूप में बदलाव आयेगा।

बैठक में अधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि हरिद्वार–ऋषिकेश–देहरादून पाइपलाईन प्रोजेक्ट (एचआरडीपीएल) के तहत 1500 करोड़ रूपये की लागत से 3 लाख पीएनजी कनेकक्शन दिये जायेंगे व 50 सीएनजी स्टेशन बनाये जायेंगे। इससे मुख्यतः ऋषिकेश, डोईवाला, विकासनगर, देहरादून, चकराता कालसी व त्यूनी क्षेत्र लाभान्वित होंगे। एचआरडीपीएल प्रोजेक्ट के तहत टेंडर व जियोटेक्निकल, टोपोग्राफिकल एवं हाइड्रोलॉजिकल का कार्य गतिमान है।

देहरादून सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन गैस प्रोजक्ट के तहत चकराता, देहरादून, डोईवाला, कालसी, ऋषिकेश, त्यूनी व विकासनगर का लगभग 3088 वर्ग किमी क्षेत्र आच्छादित किया जायेगा, जिसकी लागत 1696 करोड़ रूपये है। इसकी डी. पी.आर स्वीकृत की जा चुकी है। इसके लिये अधिकारियों की नियुक्ति भी की गई है। शीघ्र ही इस योजना का कार्य आरम्भ कर दिया जाएगा।

इस अवसर पर उच्च शिक्षा राज्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, विधायक मुकेश कोहली, एचआरडीपीएल के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. आशुतोष कर्नाटक, एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री एस.वी. प्रसाद, जनरल मैनेजर श्री के.एन. सिंह, श्री जे. के जैन, श्री सतीश कुमार, डीजीएम श्री बख्तावर सिंह, श्री मनीष गोयल, आदि उपस्थित थे।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।

देहरादून 07 जून, 2019 (सू.ब्यूरो) **प्रेस नोट–01(06/20)**

गुरूवार को केदारनाथ धाम में कथित रूप से एक परिवार के साथ पुलिसकर्मी द्वारा दुर्व्यवहार करने की खबर का संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग को घटना की जांच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं। केदारनाथ धाम में इस वर्ष अभी तक लाखों श्रद्धालु आ चुके हैं। कभी भी इस तरह की शिकायत नहीं मिली है। मुख्यमंत्री ने जिलाधकारी रूद्रप्रयाग को घटना की सत्यता की निष्पक्ष रूप से जांच करते हुए कार्यवाही करने के निर्देश दिए हैं।

जिलाधिकारी रूद्रप्रयाग श्री मंगेश घिल्डियाल द्वारा बताया गया है कि संयुक्त मजिस्ट्रेट व सीओ केदारनाथ को संयुक्त रूप से जांच दे दी गई है, जिनके द्वारा सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से एवं अन्य लोगों से पूछताछ कर जांच की जाएगी। स्थानीय पुलिस द्वारा दी गई प्रारम्भिक रिपोर्ट के अनुसार दिनांक 6 जून 2019 को श्री केदारनाथ यात्रा पर आए एक व्यक्ति द्वारा वीडियो संदेश के माध्यम से अवगत कराया जा रहा है कि, वह और उसका परिवार जो कि श्री केदारनाथ मंदिर में दर्शन हेतु आया था। उनके साथ वहां पर नियुक्त पुलिसकर्मियों द्वारा मारपीट व अभद्रता की गई है । उक्त वीडियो में यह भी देखा जा सकता है कि पार्श्व में कुछ लोगों के द्वारा (अपने निजी स्वार्थ के दृष्टिगत) भी उसे उत्प्रेरित किया जा रहा है। इस सम्बन्ध में स्पष्ट करना है कि वर्तमान समय में श्री केदारनाथ धाम में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में दिन –प्रतिदिन काफी वृद्धि हो रही है व यात्रियों की लंबी लाइन लग रही है। कुछ दिनों पूर्व यह व्यवस्था की गई है कि मंदिर के गर्भ–गृह में बिना चक्कर लगाए ही श्रद्धालु बाहर आएंगे और अत्यधिक समयावधि तक मंदिर के अंदर खड़े नहीं रहेंगे। इस हेतु मंदिर गर्भ गृह के अंदर महिला उपनिरीक्षक व महिला पुलिस कार्मिकों की तैनाती भी की गई है। कुछ लोगों को यह व्यवस्था उनके निजी स्वार्थ पूरे न होने के कारण सही नहीं लग रही है।

घटनाक्रम के संबंध में स्पष्ट करना है कि एक परिवार जिसके द्वारा अपने को मध्य प्रदेश के किसी वीआईपी का हवाला देते हुए मंदिर के अंदर जाने की जिद की गई तथा पूजा में अत्याधिक समय लिया गया। साथ ही इनके द्वारा झूठ बोला गया कि इनके साथ अन्य बुजुर्ग लोग भी हैं। इनके द्वारा बताया गया कि उनकी बालिका जो कि 14 साल की है को उठा कर फेंका गया, इसमें स्पष्ट करना है कि उक्त बालिका का पैर किसी अन्य श्रद्धालु की वजह से दब गया था। इस परिवार द्वारा वहां पर तैनात पुलिसकर्मियों के साथ धक्का–मुक्की करते हुए अंदर जाने पर ड्यूटी पर तैनात उपनिरीक्षक द्वारा उन्हें बाहर लाया गया और समझाया गया कि बनाए गए नियमों के हिसाब से ही यहां पर बाबा केदार के दर्शन हो रहे हैं। परिवार के सदस्यों द्वारा मन्दिर दर्शन के अनुरोध पर उक्त परिवार के दर्शन कराए जाने हेतु पुलिस द्वारा मदद की गई। प्रथम दृष्टया लगाए गए आरोपों की पुष्टि नहीं हुई है, फिर भी घटना की विस्तृत जांच की जा रही है, जिसमें सीसीटीवी फुटेज के माध्यम से एवं अन्य लोगों से पूछताछ कर जांच की जाएगी। अब तक करीबन साढ़े तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने श्री केदारनाथ के दर्शन कर लिए गए हैं, किसी के द्वारा भी इस तरह की शिकायत नहीं की गई है।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग।